Literacy for a Billion

Movie: Aar Paar
Year: 1954

Song: Babuji Dheere Chalna
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

बाबूजी धीरे चलना
प्यार में ज़रा सँभलना
हाँ बड़े धोखे हैं
बड़े धोखे हैं
इस राह में

बाबूजी धीरे चलना
प्यार में ज़रा सँभलना
हाँ बड़े धोखे हैं
बड़े धोखे हैं
इस राह में

बाबूजी धीरे चलना

क्यों हो खोए हुए
सर झुकाए
जैसे जाते हो
सब कुछ लुटाए
ये तो बाबूजी
पहला क़दम है
नज़र आते हैं
अपने पराए

हाँ बड़े धोखे हैं
बड़े धोखे हैं
इस राह में

बाबूजी धीरे चलना

प्यार में ज़रा सँभलना
हाँ बड़े धोखे हैं
बड़े धोखे हैं
इस राह में

बाबूजी धीरे चलना

ये मोहब्बत है
ओ भोलेभाले
कर ना दिल को
ग़मों के हवाले
काम उल्फ़त का
नाज़ुक बहुत है
आके होंठो पे
टूटेंगे प्याले

हाँ बड़े धोखे हैं
बड़े धोखे हैं
इस राह में

बाबूजी धीरे चलना
प्यार में ज़रा सँभलना
हाँ बड़े धोखे हैं
बड़े धोखे हैं
इस राह में
बाबूजी धीरे चलना
हो गई है
किसीसे जो अनबन
थाम ले दूसरा

कोई दामन
ज़िन्दगानी की राहें
अजब हैं
हो अकेला तो
लाखों हैं दुश्मन

हाँ बड़े धोखे हैं
बड़े धोखे हैं
इस राह में
बाबूजी धीरे चलना
प्यार में ज़रा सँभलना
हाँ बड़े धोखे हैं
बड़े धोखे हैं
इस राह में

बाबूजी धीरे चलना

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.